Ministry of Culture
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा ट्रांसजेंडर लेखन की रचनात्मक अभिव्यक्ति और सौंदर्यशास्त्र विषय पर परिसंवाद का आयोजन

देश की विभिन्न भारतीय भाषाओं के ट्रांसजेंडर लेखक विद्वान और कार्यकर्त्ता हुए शामिल

सृजनात्मकता का कोई जेंडर नहीं – माधव कौशिक

नई दिल्ली। 9 नवंबर 2023; साहित्य अकादेमी में आज ट्रांसजेंडर लेखन की रचनात्मक अभिव्यक्ति और सौंदर्यशास्त्र विषयक परिसंवाद संपन्न हुआ। परिसंवाद का उद्घाटन वक्तव्य देते हुए साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने कहा कि हाशिए पर रहे ट्रांसजेंडर/एलजीबीटीक्यू लेखन ने पिछले कुछ वर्षों में नए आयाम खोले हैं और अभिव्यक्ति की एक समानांतर धारा का निर्माण किया है। आगे उन्होंने कहा कि हमारे सपनों और आकांक्षाओं का कोई जेंडर नहीं होता है। अतः रचना को केवल रचना की दृष्टि से ही देखना चाहिए। हर किसी की पीड़ा एक समान होती है और उसको महसूस करना हम सभी का कर्त्तव्य है। साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी का स्वागत अंगवस्त्रम् से करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में ट्रांसजेंडर लेखन को मुख्य धारा में थोड़ी पहचान मिलना आरंभ हुआ है। लेकिन इससे भी ज्यादा ज़रूरी है कि इस सभी का संरक्षण और संवर्धन। साहित्य अकादेमी इसके लिए निरंतर प्रयासरत है और इस तरह के कार्यक्रम लगातार करती रहती है। परिसंवाद के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साहित्य अकादेमी की अंग्रेज़ी पत्रिका 'इंडियन लिटरेचर' की अतिथि संपादक सुकृता पॉल कुमार ने कहा कि ट्रांसजेंडर लेखन को मुख्य धारा में शामिल करने के लिए हमें ऐसे टूल खोजने होंगे जिनसे उनको व्यापक रूप से समझा और सहेजा जा सके। उन्होंने इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए सभी का सहयोग माँगा और 'इंडियन लिटरेचर' का एक अंक ट्रांसजेंडर लेखन पर केंद्रित करने की बात भी कही।

परिसंवाद में पूरे देश से विभिन्न भारतीय भाषाओं के ट्रांसजेंडर लेखक, कार्यकर्त्ता और विद्वानों ने हिस्सा लिया। प्रथम सत्र ट्रांसजेंडर लेखन के विशिष्ट लक्षण और सौंदर्यशास्त्र, विषय पर था, जिसमें ए.रेवती, अजान सिंह, कल्कि सुब्रह्मण्यम, देविका देवेंद्र एस. मंगलामुखी, कुहू चन्नना, मानबी बंद्योपाध्याय तथा संजना साइमन ने अपने–अपने आलेख प्रस्तुत किए।

ट्रांसजेंडर लेखन के लिए महत्त्वपूर्ण आलोचनात्मक उपकरणों का विकास विषयक द्वितीय सत्र में भैरवी अमरानी, दिशा शेख, सांता खुराई, शिवांश ठाकुर, सुमन महाकुड, विजयराजमल्लिका ने अपनी–अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। तृतीय सत्र में सभी आमंत्रित ट्रांसजेंडर लेखकों का रचना–पाठ और संवाद सत्र हुआ।

कार्यक्रम का सार–संक्षेप चंदना दत्ता ने प्रस्तुत किया तथा सत्रों का संचालन सुकृता पॉल कुमार ने किया।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in